हरि प्रदर्शनी 2024

मल्ला दुम्मर

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 22 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 4 नवम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

यह आयोजन समाज को जोड़ने का अभियान भी है

गीता उप्रेती

हिमनगरी मुनस्यारी के मल्ला दुम्मर में प्रतिवर्ष होने वाली हरि प्रदर्शनी आज अपने जिस रूप में है, वह समाज को जोड़ने का बड़ा अभियान है। अक्सर होता यह है कि होने वाले आयोजन सांस्कृतिक मंचों के साथ मात्र मनोरंजन का अवसर बनने लगे हैं लेकिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हरि सिंह जंगपांगी की याद में जिस प्रदर्शनी को किया जाता है वह अपनी परम्पराओं को आगे बढ़ाने के साथ चारों ओर फैले अपने लोगों को पहचानने का माध्यम भी है। इसमें लगने वाली कुटीर लघु उद्योग एवं अपने उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जाता है। विगत 71 वर्ष यानी 1953 से लगातार इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। स्व. हरि सिंह जी के साथ ही सीमान्त के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण करने के लिये प्रतिवर्ष लोग दुम्मर में जुटते हैं। हरि स्मारक समिति के इस आयोजन के मूल में जंगपांगी बन्धुओं की एकता का परिचय भी मिलता है और अपने सभी इष्ट-मित्रों को इसमें जोड़ने का प्रयास भी। 2024 के इस बार होने वाले आयोजन में भी तीन दिनों तक जो रूपरेखा बनाई गई उसके अनुसार क्षेत्र के कृषकों द्वारा उत्पादित कृषि एवं बागवानी उत्पाद, कुटीर उद्योग और लघु काश्तकारों एवं कलाकारों द्वारा बनाये गये उत्पादों के साथ-साथ स्थानीय एवं पारम्परिक गीतों, नाट्य कला, वेशभूषा में अपनी संस्कृति का प्रदर्शन किया जा रहा है।

5 नवम्बर को प्रथम दिन स्वच्छता कार्यक्रम के बाद सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम तय हैं। 6 नवम्बर को प्रभातफेरी, झण्डा रोहण के बाद स्व. नरसिंह जंगपांगी स्मृति वालीवाल प्रतियोगिता और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मल्ला दुम्मर के मैदान में होगा। इसके अलावा मल्ला जोहार विकास समिति द्वारा संगोष्ठी का आयोजन महत्वपूर्ण बात है। इसमें माइग्रेशन में आने वाले ग्रामीणों के साथ जोहार की समस्याओं को चर्चा करते हुए अधिकारियों को अवगत कराया जाता है। इसी दिन पधारे हुए

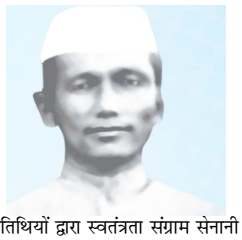

अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक भवन में स्व. हरि सिंह जंगपांगी की मूर्ति का माल्यार्पण कर प्रदर्शनी/स्टाल का उद्घाटन करेंगे। इस दिन में खेलकूद प्रतियोगिता के अलावा सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन भी होना है। 7 नवम्बर को बच्चों की पेन्टिंग, प्रश्नोत्तरी, निबन्ध प्रतियोगिता के अलावा पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन, स्वच्छ भारत, प्रदूषण नियन्त्रण, जड़ी बूटी उत्पादन पर संगोष्ठी होनी है। जोहारी वेशभूषा प्रतियोगिता के साथ ही प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रोत्साहित करने के लिये पारितोषिक वितरण होगा।

पिछले 71 वर्षों से लगातार इतने बड़े आयोजन को करवाना आसान नहीं है। इसके पीछे उन लोगों का समर्पण भी याद किया जाता है जो अपने समाज के लिये जुझारु हैं और जानते हैं कि कितनी दिक्कतों के बाद हिमालय से निकलने वाले स्थान बना पाते हैं। बीहड़ पथ की दुर्गमता चख जो मुस्कान ग्रामीणों में दिखाई देती है उसके दर्शन इस आयोजन में होते हैं। नौकरी-पेशा व अन्य कारणों से जो लोग प्रवासी के रूप में यत्र तत्र रहने लगे हैं वह भी हरि प्रदर्शनी के बहाने इसमें जुड़कर गर्व महसूस करते हैं। इस प्रदर्शनी का ही प्रभाव है कि शहरों में रहने वाले कई लोगों ने अपने गाँव के पुराने मकानों को संवारा, अपने खेतों की सुध ली है।

जिनको याद करते हुए इतना बड़ा आयोजन बराबर होता रहा है उनके बारे में जानना भी जरूरी है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हरिसिंह जंगपांगी का जन्म ग्राम बुर्फू, मल्ला जोहार में 20 जून 1898 हुआ था। जोहार के इस महान सेनानी ने महात्मा गांधी के विचारों एवं कार्यों से प्रभावित होकर क्षेत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन, बन्देमातरम् उद्घोष के साथ सत्याग्रह आन्दोलन प्रारम्भ किया था। 16 फरवरी 1941 को ब्रिटिश सिपाहियों द्वारा इन्हें गिरफ्तार कर थल शिविल कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ उन्हें सत्याग्रह करने के आरोप में एक साल का कारावास, 100 रुपये का अर्थदण्ड दिया गय और अल्मोड़ा जेल भेजे गये। 21 फरवरी1941 से 4 मार्च1941 तक अल्मोड़ा फिर 19 अप्रैल1941 तक बरेली कारागार तदुपरान्त 12 दिसम्बर 1941 तक लखनऊ कारागार में रहे। 28 सितम्बर1942 भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान हरि सिंह जी को बासबगड़ में सम्बोधित करते हुए

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

मैथिली से सबक लेना चाहिये

अभी बीते दिनों हल्द्वानी में आयोजित एक आयोजन में बिहार की युवा गायिका मैथिली ठाकुर ने प्रतिभाग करते हुए कर्णप्रिय भजनों के अलावा कुमाउंनी गीत गाकर मन मोह लिया। सभी ने मैथिली को सराहा क्योंकि वह अपने पिता-भाईयों के साथ बहुत ही शालीन तरीके से पधारी और अपने सरल अंजाद में प्रस्तुति दी।

अब सवाल उठता है कि क्या पहाड़ में ऐसे गायक नहीं हैं जो मैथिली सा गा सकते थे? पहाड़ में बहुत से कलाकार हैं लेकिन होने यह लगा है कि जो सहज-सरल कलाकार हैं वह स्थिर हैं जबकि सोशल मीडिया के लिये रील बनाने और मंच पर नाचने पर जोर देने वालों को प्रोत्साहन के लिये भीड़ जुटने लगी है। इस पूरे दलदल में पहाड़ की संस्कृति से ज्यादा वह सब होने लगा है जो दूर-दूर तक पहाड़ नहीं है। आजकल बहुत आसान हो चुका है टोपी-रंगवाई पिछौड़ा आदि की आड़ में अपने को पहाड़ी सिद्ध करने की होड़ लगी है जबकि सच्चाई यह है कि आप जो हैं उसे बताने के लिये ओढ़ना बिछाना बाद की बात है। रंगवाई-पिछोड़ा तो अनुष्ठानों में, शादी-विवाह विशेष अवसरों पर पहने जाते हैं लेकिन सजने वाले बाजारों ने इसे ऐसी हवा दी कि यह सड़कों में फिरती/फिरकी ओढ़नी बनते जा रहे हैं। इसी प्रकार संगीत की विधाओं में होता है। भजन, गजल, चैती, कजरी, ख्याल, धमार सहित हमारे पहाड़ की लोक विधाएं झपेली, झोड़ा, चांचरी आदि की अपनी जगह और अपने तरीके हैं। इनकी जानकारी के लिये लोक में बीजों का सा छिड़काव है परन्तु समय के साथ अपने में खो चुके शहर/कस्बे इन्हें मंच पर देखकर धन्य मान बैठते हैं।

पर्वतीय संस्कृति के नाम पर लगातार आयोजनों की बाढ़ में दिल्ली से लेकर जगह-जगह कार्यक्रम हो रहे हैं लेकिन पर्वतीय संस्कृति के असल पहरू आज अपनी धारा में हैं। यही लोक परम्परा है चाहे सरकार बहादुर कुछ कर ले परम्पराओं का रास उन्हीं की ठौर और ठसक के साथ होता है। जैसे ही इन्हें मंच की तरावट मिलती है यह धार खो बैठते हैं। यही कारण है कि अपनी सच्चाई से कटे हुए सोशल मीडिया की रीलों में उलझे हैं। ऐसे में युवा मैथिली का आना और अपनी धुन में मंचीय प्रदर्शन करना शुभ है। मैथिली भी सोशल मीडिया से जुड़ी है लेकिन उसका अपना सहज अंदाज है। ऐसे समय में जब सभा में भीड़ को जमा करने के लिये ठुमकों का सहारा लिया जा रहा हो, मैथिली ने भजनों की प्रस्तुति दी। चूंकि वह बिहार की हैं ऐसे में उनके द्वारा 'बेढ़ू पाको बारा मासा' गाकर कुछ थिरकन दी गई। उनके मुंह से अपनी बोली के गीत सुनकर दर्शकों को अच्छा लगा। इसी प्रकार अपने समाज के सरल-सच्चे दर्पण को सामने रखना सभी की जिम्मेदारी है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

इजराइल पर हमले की कीमत चुकानी होगी

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के एजेंट ने उनकी और उनकी पत्नी की हत्या करने की कोशिश करके एक बड़ी गलती की है। लेबनान से ड्रोन हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि इजराइल पर हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

नेपाल की धरती पर चीन विरोध हरकत नहीं

काठमाण्डू। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली ने कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह एक चीन नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केन्द्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधि मण्डल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की।

बांग्लादेश के संसद नहीं हटा सकेगी न्यायधीश

ढाका। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायिक परिषद के न्यायिक कदाचार के आरेपी की जाँच करने के अधिकार के साथ बहाल कर दिया। शीर्ष्ष अदालत ने इसके साथ ही अपने उस पिछले फैसले को भी बरकरार रखा जिसमें 16वें संविधान संशोधन को अवैध घोषित किया गया था।

64 साल बाद मन्दिर का जीर्णोद्धार

लाहौर। अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों के देखरेख करने वाली संघीय संस्था इवेक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड ने पंजाब प्रान्त में रावी नदी के पश्चिमी तट पर स्थित नारोवाल शहर के जफरवाल नगर में बावली साहिब मन्दिर निर्माण शुरू कर दिया है। यह मन्दिर 1960 में जर्जर हो गया था।

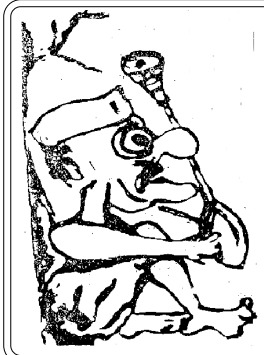

फसक

दाज्यू, क्या करें? प्रदेश में चुटाचूट हो रही ठैरी

चिकने-चुपड़े बनकर खुलेआम भकोर रहे हैं बल

दाज्यू, हाल-चाल सामान्य ही ठैरे। क्या कहें क्या न कहें। कहीं रैप तो कहीं गैंगरैप के समाचार सुनाई दे रहे हैं। प्रदेश में चुटाचूट हो रही ठैरी। रुद्रपुर के ट्रांजिट कैम्प में पति-पत्नी के विवाद में ससुरालियों ने पीटने आ गये बल। दाज्यू, कभी भी कुछ हो सकता है। सिमगड़ी के डाकघर में बबाल मचा हुआ है। प्रधान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने डीएम को बताया कि उनके खाते से रुपये गायब हैं। दाज्यू, जाँच तो होनी ही है। पुलभट्टा पुलिस ने दम्पत्ति को एक किलो से ज्यादा स्मैक के साथ पकड़ा है। दाज्यू, स्मैक की धन्धेबाजी को स्वरोजगार मान चुके लोगों का क्या करें? आए दिन स्मैक सप्लायर और इसके खरीददार पकड़ में आ रहे हैं। बरेली की ओर से सबसे ज्यादा धन्धेबाजी हो रही है बल। नशा उन्मूलन केन्द्र भी इसके मरीजों से आबाद हैं।

हल्द्वानी मेडिकल कालेज में फर्जी प्रमाण पत्रों से एमबीबीएस में प्रवेश पा चुके दो छात्र कार्रवाई के डर से छोड़ कर भाग गये। दमुवाढूंगा इलाके में होमस्टे में अनैतिक कार्यों का आरोप लगाते हुए हंगामा हुआ तो पुलिस को आना पड़ा। उधर बनभूलपुरा की नशे में धुत्त तीन बालिकाओं ने गौलापार में हंगामा कर दिया। इनके लिये भी पुलिस को बुलाना पड़ा। दाज्यू, दुष्कर्म वाली घटनाएं तो लगातार बढ़ती जा रही हैं। खटीमा के एक गाँव में किशोरी से सामूहिक बालात्कार में 5 नाबालिकों को पुलिस ने पकड़ा। नाबालिक भी इतने भयंकर बने हुए हैं तो बालिग क्या जो नहीं कर रहे होंगे? चौखुटिया में 12 वीं कक्षा की छात्रा के अपहरण कर दुष्कर्म मामले में आरोपी शिक्षक कमालुद्दीन को जेल भेज दिया गया है। चम्पावत थाना क्षेत्र से लापता किशोरी गोवा में मिली बल। पुलिस वाले सीसीटीबी छानते हुए जगह तक पहुँचे।

छात्र संघ चुनाव को लेकर उबाल खा रहे बालकों को कोर्ट के फैसले ने झूम में डाल दिया। दाज्यू, जब महीनों तक समर्थ पोर्टल खुलता रहेगा और प्रवेश का हल्ला मचा रहेगा तो कब परीक्षा हो और कब चुनाव? यह भी खूब रही। बांकी चिकने चुपड़े बनकर खुलेआम भकोर रहे हैं बल। एनएसएस कैम्प की लीला फिर बताएंगे।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

पिथौरागढ़ में जोहार सांस्कृतिक संगठन का वार्षिकोत्सव

पिथौरागढ़। जोहार सांस्कृतिक संगठन का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पुलिस लाइन स्थित गोरी सभागार में संगठन से जुड़े पदाधिकारी व समस्त प्रवासियों ने एकता का परिचय देते हुए भागीदारी की। संगठन के अध्यक्ष भूपाल सिंह बरफाल व सचिव गणेश सिंह मर्तोलिया ने अपनी संस्कृति संरक्षण के लिये सभी से सक्रिय रहने का आह्वान किया। बताते चलें कि सोर घाटी में संगठन द्वारा गतिविधियों को उत्साह के साथ किया जाता रहा है।

विशाल प्रदर्शन और कमिश्नरी घेराव के साथ कांग्रेस लहर बनाने में जुटी है

भाजपा की शह पर काम कर रहे अधिकारी : यशपाल

नैनीताल। भगवा रंग में पूरी तरह डूबे उत्तराखण्ड में फिर से कांग्रेस की लहरें उछाल मारने लगी हैं। पिछले उपचुनाव में दो सीटों भाजपा की हार के बाद से कांग्रेस को भरोसा होने लगा है कि वह आने वाले दिनों में अपना माहौल बना लेगी और निकाय चुनाव में भी सफलता पाने वाली है। इन्हीं सारे फण्डों को लेकर पार्टी के छोटे-बड़े सभी नेता एकजुट होकर शक्ति दिखाने लगे हैं।

भाजपा सरकार की नीतियों, महंगाई, महिलाओं के साथ हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस द्वारा जिस प्रकार से कमिश्नरी घेराव का विशाल प्रदर्शन किया गया उससे पार्टी के थके-हारे कार्यकर्ता उछाल मारते दिखाई दे रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता पन्त पार्क में एकत्रित हुए। जहाँ से मालरोड होते हुए फांसी गधेरा पहुँचे। इस दौरान पुलिस ने रैली को बैरिकेडिंग लगाकर रोका। इससे कार्यकर्ता भड़क गये और पुलिस कर्मियों के साथ उनकी झड़प हुई। इसी समय नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्वविधायक संजीव आर्य, सचिन नेगी समेत कई कार्यकर्ता बेरिकेडिंग को पार कर कमिश्नरी जाने का प्रयास करने लगे, जिन्हें पुलिस कर्मियों ने मुश्किल से रोक सका। जन आक्रोश रैली में नैनीताल के अलावा अन्य जिलों से भारी संख्या में कार्यकर्ता पहुँचे थे। जनसभा को सम्बोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष यशपाल ने कहा कि प्रदेश में कुछ अधिकारी भाजपा सरकार की शह पर काम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन चरम पर है। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों के घरों को तोड़ रही है। राज्य के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार रोकने, भू-माफियाओं की गिरफ्त से प्रदेश मुक्त कराने के लिये कांग्रेस की यह रैली है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चिन्ता

सूख गये हैं उत्तराखण्ड में प्राकृतिक जलस्रोत

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड में 12000 से अधिक ग्लेशियर और 8 नदियां निकलती हैं बावजूद इसके उत्तराखण्ड में मौजूदा समय में 461 जल स्रोत ऐसे हैं, जिनमें 76४ से अधिक पानी अब बचा ही नहीं यानी पूरी तरह से सूख चुका है। इसके साथ ही प्रदेश में 1290 जल स्रोत ऐसे हैं, जिनमें 51-75 प्रतिशत पानी सूख चुका है। आंकड़े बताते हैं कि राज्य में 2873 जल स्रोत ऐसे हैं, जिनमें 50 प्रतिशत तक पानी कम हो चुका है और ये निरन्तर कम हो रहा है। राज्य में सबसे अधिक जल संकट, टिहरी, पिथौरागढ़, चमोली, अल्मोड़ा, और बागेश्वर जिले में है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ प्राकृतिक जल स्रोत कम हो रहे हैं।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की मानें तो राज्य में 725 ऐसे जलाशय हैं, जो पूरी तरह से सूख चुके हैं। उत्तराखण्ड में 3096 जलाशय हैं, जिसमें 2970 जलाशय ग्रामीण क्षेत्र में है, जबकि 126 जलाशय शहरी क्षेत्र में हैं. रिपोर्ट कहती है कि 2371 जलाशय में हाल ही में पानी पाया गया था, जबकि 725 जल से पूरी तरह से सूख चुके हैं, जिसकी वजह मंत्रालय ने प्रदूषण फैक्ट्री और तालाबों के ऊपर बस्तियों को बताया था। जल संरक्षण अभियान-2024 में 2.51 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी के सापेक्ष अब तक 2.38 मिलियन क्यूबिक मीटर रिचार्ज कर लिया गया है। बताया कि जल संस्थान एवं पेयजल निगम ने पेयजल आपूर्त्त के ष्टिगत 500 ऐसे जलस्रोत चिन्हित किए हैं, जिनमें पिछले वर्षों में जल प्रवाह 50 प्रतिशत से भी कम हो गया है। राज्य में गाँव स्तर पर 5421 जल स्रोतों, विकास खण्ड स्तर पर सूखने के कगार पर पहुँच चुके 929 जल स्रोतों और जिला स्तर पर 292 सहायक नदियों व धाराओं का ट्रीटमेंट चल रहा है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समितियों ने जो कार्य अनुमोदित किए हैं, उनमें 50 प्रतिशत अंश सारा और शेष वित्त पोषण सम्बन्धित विभाग करेंगे। गम्भीर श्रेणी में शामिल जलस्रोतों के रिचार्ज जोन का निर्धारण जियो हाइड्रोलाजिकल अध्ययन के उपरांत किया जाएगा। एसीएस ने कहा कि अत्यधिक महत्वपूर्ण जलस्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवीकरण कार्य को शीर्ष प्राथमिकता में रखते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि रूरल व शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए लघु एवं दीर्घकालीन नीतियों पर कार्य करते हुए बेस्ट प्रैक्टिस अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने सारा के अन्तर्गत हो रहे कार्यों की जियो टैग अनिवार्य रूप से करने, सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भूजल रिचार्ज के कार्यों को तेजी से अमल में लाने, वर्षा आधारित सहायक नदियों व धाराओं की उपचारात्मक योजनाओं का निरूपण वैज्ञानिक ढंग से करने और जलस्रोतों के सतत अनुरक्षण में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पिछले 30 से 40 सालों में उत्तराखण्ड में करीब एक लाख प्राकृतिक जल स्रोत सूखने के कगार पर पहुँच गए हैं। प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए समुदाय पर आधारित जल स्रोत प्रबन्धन केन्द्र बनाए जाने की आवश्यकता है। इन प्रबन्धन केन्द्रों पर स्थानीय पंचायतों की भूमिका भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल संरक्षण अभियान के तहत कैच द रेन, जल संरक्षण अभियान, अमृत सरोवर, हरेला कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण एवं सम्वर्द्धन कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सूख रहे जल स्रोतों, सहायक नदियों और धाराओं का चिन्हीकरण किया गया है। इनके संग्रहण क्षेत्रों की पहचान की गई है। ग्राम स्तर पर जल स्रोतों को चिन्हित कर उनके उपचार क्षेत्र में जल संरक्षण गतिविधियों के निर्देश दिए गए हैं। विकास खण्ड स्तर पर न्यूनतम 10 क्रिटिकल सूख रहे जल स्रोतों तथा जनपद स्तर पर न्यूनतम 20 सहायक नदियों और धाराओं के उपचार को जल संरक्षण अभियान-2024 के तहत प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पेयजल निगम ने 78 और जल संस्थान ने 415 क्रिटिकल जल स्रोत चिन्हित किए हैं। विभिन्न जनपदों में कुल 250 सहायक नदियां, धाराएं उपचार के लिए चिन्हित की गई। जल संरक्षण अभियान के तहत ग्राम स्तर पर 4,658 जल स्रोतों के उपचार क्षेत्र में जल संभरण गतिविधियों, विकास खण्ड स्तर पर 770 क्रिटिकल सूख रहे जल स्रोतों के उपचार गतिविधियों तथा जनपद स्तर पर 228 सहायक नदियों, धाराओं में उपचार गतिविधियों के संचालन का लक्ष्य है। मोंगाबे, इंडिया में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि हाल के वर्षों में लगभग 12,000 प्राकृतिक झरने सूख गए हैं, उत्तराखण्ड की 90 प्रतिशत आबादी इन महत्वपूर्ण जल स्रोतों पर निर्भर है कागजों पर यह परियोजना बहुत सफल लगती है। सरकारी वेबसाइट के अनुसार, उत्तराखण्ड में केवल 130,325 घरों में, जो 9 फीसदी से भी कम है, नल का जल कनेक्शन था।

जुलाई 2023 तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तराखण्ड में 78.40 फीसदी घरों में नल का जल कनेक्शन था और जुलाई 2024 तक यह अनुपात 95 फीसदी से अधिक हो गया। अधिकारियों ने नल के साथ फोटो खिंचवाने का काम तो कर लिया, फिर भी कई लोग बिना पानी के रह गए हैं। पन्त ग्राम पंचायत के अन्तर्गत आने वाले बड़ी गाँव के कहते हैं, 'अगर मुझे पता होता कि नल केवल सजावटी होगा, तो मैं उन्हें कभी अपनी तस्वीर नहीं लेने देता। पानी के लिए हमारा संघर्ष कभी खत्म नहीं होता।' पीपुल्स साइन्स इंस्टीट्यूट के निदेशक बताते हैं कि 'विकास परियोजनाओं के कारण वनों की कटाई के साथ-साथ भारी बारिश के कारण बारिश का पानी जमीन में नहीं जा पाता और झरने के जलभृतों को रिचार्ज नहीं कर पाता। जिससे बारिश का ज्यादातर पानी पहाड़ से नीचे बह जाता है, ऐसे में झरने सूख जाते हैं।' कई समुदायों का पोषण करने वाले एक साझा संसाधन के खत्म होने से उन लोगों पर काफी असर पड़ता है जो झरनों पर निर्भर हैं, खासकर हाशिए पर पड़े समूह। इससे एक शून्य पैदा होता है, जो क्षेत्र में रहने वाले बड़े समुदाय को प्रभावित करता है। दुर्भाग्य से, जलभृतों को रिचार्ज करने के लिए बहुत कम प्रयास किए जाते हैं। इन सब के पीछे वजह जो भी हो लेकिन इन हालातों की बड़ी वजह इन्सान ही हैं। कुछ समय पहले तक जल स्रोतों को गाँव के लोग देवता की तरह पूजते थे। साल में कई बार गाँव इकट्ठा होकर इन नौले धारों और जल स्रोतों को संजोकर रखते थे लेकिन आलम यह है कि धीरे-धीरे यह जल स्रोत आबादी वाले इलाकों में सूखने लगे हैं। जल स्रोत प्रबन्धन कमेटी की रिपोर्ट कहती है कि, मौजूदा समय में उत्तराखण्ड में 4000 ऐसे गाँव हैं जो जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 510 ऐसे जल स्रोत हैं, जो अब सूखने की कगार पर आ गए हैं। सबसे ज्यादा असर अल्मोड़ा जनपद पर पड़ा है। यहाँ पर 300 से अधिक जल स्रोत सूख गए हैं। यहाँ तक कि उत्तराखण्ड में प्राकृतिक जल स्रोतों के जलस्तर में 60 फीसदी की कमी आई है। इन सारे हालातों को देख केवल सरकार ही नहीं लोगों को भी इस दिशा में आगे कदम बढ़ाना होगा।

ज्योतिष की बातें- 202

7 नवम्बर 2024 को शुक्र वृश्चिक राशि को छोड़कर समराशि धनु में प्रवेश करेगा, वहाँ पर मंगल की क्रूर खष्टि भी रहेगी। इस प्रकार शुक्र सामान्य शुभ रहेगा। शुक्र विवाह, जीवन साथी, दाम्पत्य जीवन, कामेच्छा, काव्य, सौंदर्य, नेत्र, वाहन, शारीरिक सुख, भोग विलास, धन, वस्त्र आभूषण, रत्न आदि का कारक होता है।

फलदीपिका के अनुसार शुक्र केवल 6, 7 व 10 वें स्थान पर अशुभ होता है शेष स्थानों पर शुभ होता है और मकर कुम्भ राशियों के लिये योगकारक भी होता है इसलिए अगले 25 दिन वृश्चिक, तुला, कन्या, लसह, वृषभ, मेष , कुम्भ, मकर, व धनु राशि के जातकों के लिए अपने कारक विषयों में शुक्र शुभ होगा और शेष राशियों के लिये सामान्य होगा।

यहाँ पर केवल शुक्र के गोचर का विचार किया गया है अन्य ग्रहों का नहीं, इसलिये यह स्थूल फल है। जातक के लिए सूक्ष्म विवेचन उसकी जन्मकुण्डली महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 93

'परिवारवाद' एक राजनीतिक शब्द

एक आईएएस अधिकारी सोचता है कि उसका बेटा भी एक बड़ा प्रशासनिक अधिकारी बने तो ऐसा सोचने में उसकी क्या गलती है? एक शिक्षक सोचता है उसका बेटा उससे भी बड़ा विद्वान शिक्षक बने। एक डाक्टर सोचता है कि उसका बेटा उससे भी बड़ा और प्रसिद्ध डाक्टर बने और मेरा सहयोग करे। एक ठेकेदार भी सोचता है कि मेरा बेटा इंजीनियर बनकर आए और मेरे कार्यों में हाथ बंटाए। एक उद्योगपति सोचता है कि मेरा बेटा मुझसे भी बड़ा उद्योगपति बने और मेरा नाम रोशन करे। फिर जब एक नेता ऐसा सोचता है कि मेरा बेटा मुझसे भी बड़ा नेता बने तो ऐसा सोचने में और उसके लिये प्रयास करने में उसकी क्या गलती है?

किसी व्यक्ति के कार्यों में, उसके प्रतिष्ठान में और उसकी पार्टी में जितनी निष्ठा उसके बेटे की होगी उतनी निष्ठा दूसरे किसी की भी नहीं हो सकती, यह अन्तिम सत्य है। यदि जनता को लगता है कि यह नेता तथाकथित 'परिवारवाद' कर रहा है तो वोट देने का अधिकार तो जनता के पास है। नेता के बेटे को वोट न दे जो योग्य हो उसको वोट देना चाहिए।

-सरल

नैनीताल : सुलगता सवाल

चौराहे पर गांधी जी के चरणों में नैनीताल को लेकर एक बातचीत

पिछले कुछ समय से नैनीताल नगर में विचित्र गतिविधियाँ हो रही हैं। कहीं कुछ टूट रहा है, कहीं कुछ खुद रहा है, कहीं कुछ बन रहा है तो कहीं पर लोग उजाड़े जा रहे हैं। चर्चा है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारतरत्न पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त को अपने मुकर्रर स्थानों से निष्कासित किया जा रहा है। यह क्यों हो रहा है, कौन करवा रहा है, कौन कर रहा है, इसमें कितना खर्च हो रहा है, इससे नैनीताल का कौन सा हित जुड़ा हुआ है, यह किसी को नहीं मालूम है। जबकि लोकतंत्र में हर नागरिक को यह जानने का अधिकार है।

ऐसे में नैनीताल की जनता भ्रम की स्थिति में है, व्यथित है और गहरी नाराजी में है। उसके मन में तमाम प्रश्न हैं और आशंकायें हैं। डोरोथी सीट (टिफिन टॉप) को ध्वस्त हुए अभी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, चाइना पीक की दरार लगातार चौड़ी हो रही है और बलिया नाला राजभवन तक की पहाड़ी को निगलने के लिये तैयार बैठा है।

इन्हीं सब मुद्दों पर आपस में खुल कर बातचीत करने के लिये और प्रशासन के सामने अपना विरोध प्रदर्शित करने के लिये तल्लीताल डांठ पर गांधी जी की प्रतिमा के बगल में प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक एक धरना-उपवास का कार्यक्रम किया गया।

इस धरना प्रदर्शन में नैनीताल के चिन्तित नागरिक, जन प्रतिनिधि और ने भागीदारी की। नैनीताल पीपुल्स फोरम एवं नैनीताल के नागरिक मंच की ओर से यह आयोजन वर्तमान का बड़ा सवाल है। इस सुलगते सवाल पर नैनीताल समाचार के सम्पादक राजीवलोचन साह शुरू से ही आवाज उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जिन बातों और जिन चीजों को लेकर नैनीताल हमेशा से जाना जा रहा है और वह उसकी पहचान बने हुए हैं, ऐसे में ऐसा क्या जो होने लगा कि एकाएक उधेड़ बुन की जा रही है। जनता की सुनवाई के बगैर सारे फैसले हो जा रहे हैं तो जनता क्या करे? ऐसे में नैनीताल का भविष्य कैसा होगा?

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बीएसएफ के सेनि. अधिकारी पर्यटन विकास में सहयोग करेंगे

अपार सम्भावनाओं के बीच पर्यटन से सक्षम होंगे : बीएस टोलिया

हल्द्वानी/पिथौरागढ़। सीमा सुरक्षा बल के सेनवानिवृत्त उप महानिरीक्षक भगत सिंह टोलिया की पहल पर एक दर्जन सेवा निवृत्त महानिरीक्षक और उप महानिरीक्षों में पर्यटन को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। इनका मानना है कि अपने नैसर्गिक सौन्दर्य के लिये पहचान रखने वाले उत्तराखण्ड में विकास की तमाम सम्भावनाओं के साथ पर्यटन इकलौला ऐसा विषय है जिससे यहाँ की आर्थिकी सुदृढ़ हो सकती है।

बीएसएफ के अधिकारियों का दल अपने प्रचार माध्यमों से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निकला है। भीमताल से आरम्भ इस अभियान दल ने कैंची, चितई होते हुए पिथौरागढ़ के बलिदानी पार्क में पौधा रोपण यिका। इस अवसर पर हिमालय बचाओ का नारा देते हुए सभी से पर्यटन को बढ़ावा देने में सहयोगी बनने को कहा।

दल में शामिल पूर्व आईजी अश्विनी कुमार, असीम व्यास, ललित कुमार, सुधीद्र, डीआईजी डी. प्रतीक, सुरजीत सिंह, सुरेश यादव, पी.के. मीना, आर. विर्दी, सी.पी. त्रिवेदी, बी.एस.टोलिया और मुकेश ने कहा कि कुमाऊँ जैसा सौन्दर्य देश में कहीं नहीं है। यात्रा पर निकले अधिकांश पूर्व अधिकारियों ने कहा कि वह पहली बार कुमाऊँ यात्रा पर आए हैं। कहा उनकी युवावस्था से लेकर प्रोढ़ावस्था देश की सीमा की सुरक्षा में बीती। अ उसी उत्साह से पहाड़ के पर्यटन विकास के लिये जुटेंगे।

पूर्व डीआइजी बी.एस.टोलिया कहते हैं कि पहाड़ में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। इन अपार सम्भावनाओं के बीच पर्यटन से ही आम जन सक्षम हो सकता है। इसके लिये लोगों को पहल करनी होगी। इसी उद्देश्य को लेकर यह अभियान शुरू किया गया है। इन प्रयास को और अधिक व्यापक किया जाएगा ताकि अनझुए पर्यटक स्थल तक पर्यटक पहुँचें।

निगम बढ़ा हुआ टैक्स वसूलेगा

हल्द्वानी। नगर निगम क्षेत्र में 25 हजार लोगों से बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लिया जाएगा। इस सम्बन्ध में नगर निगम प्रशासक के अनुमोदन के बाद आदेश जारी कर दिया गया है। बताया गया है कि पुरानी दर से बिल जमा करने वाले तीन हजार भवन स्वामियों से भी बकाया वसूली होगी।

प्राइवेट माइनिंग कम्पनी का विरोध

बाजपुर। प्राइवेट माइनिंग कम्पनी के विरोध में श्रमिकों, ट्रान्सपोर्टर एवं कारोबारियों ने जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को सात सूत्रीय ज्ञापन भेजा है। विशासन जुलूस प्रदर्शन के बाद एसडीएम के माध्यम से सीएम को प्रेषित ज्ञापन में किसान के खेत की मिट्टी को प्राइवेट माइनिंग कम्पनी से मुक्त करवाने एवं अनुमति की रॉयल्टी का शुल्क कम कर पूर्व की भाँति 8 रुपये प्रति घनमीटर करने, मिट्टी की अनुमति पूर्व की भाँति तहील स्तर से करने की मांग की है।

गेठिया में मानसिक रोग अस्पताल होगा

नैनीताल। गेठिया में सौ बेड के मानसिक रोग अस्पताल का निर्माण होने जा रहा है। इसके लिये शासन से 44 करोड़ रुपये जारी हुए हैं। कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल इस कार्य को करेगी। वर्तमान में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है और इसके लिये सुविधा नहीं थी।

बाराही धाम में 11 से 5 दिवसीय दीपोत्सव

चम्पावत। देवीधुरा माँ बाराही धाम में 11 नवम्बर से 5 दिवसीय दीपोत्सव समारोह होने जा रहा हे। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान ईश्वर सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि इस बार 51 हजार दीयों से माँ बाराही धाम जगमगाएगा। इस दौरा बौद्धिक, सांस्कृति, खेल गतिविधियां भी होंगी।

गोलज्यू यात्रा को लेकर उत्साह

चम्पावत। चार नवम्बर से शुरू हो रही गोलज्यू यात्रा को लेकर इसके पड़ाव स्थलों पर उत्साह है। अपनी धरोहर संस्था की प्रदेश संयोजिका सुनीता जोशी ने बताया कि यात्रा में भक्तों के लिये 50 हजार पैकेट प्रसाद वितरित किया जाना है। 23 नवम्बर को भीमताल में यात्रा का समापन होगा।

गैरवैशालीवासी धरने पर

हल्द्वानी। गैरवैशाली क्षेत्र में जलभराव की समस्या से जूझ रहे लोगों ने तिकोनिया बुध पार्क में धरना दिया। बाद में सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा कार्य के निर्देश व आश्वासन पर लोग मान गये।

मल्ला जोहार की समस्याओं को बताया

हल्द्वानी। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हल्द्वानी आगमन पर पत्र देते हुए मल्ला जोहार की ज्वलन्त समस्याओं को बताया और मर्तोली से सेला गाँव में सम्पर्क स्थापित करने हेतु झूला पुल, बिल्जू से गनघर, पांछू में सम्पर्क हेतु गोरी नदी के ऊपर झूला पुल की मांग की।

लालकुंआ जंक्शन का सौन्दर्यीकरण होगा

हल्द्वानी। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत 50 वर्षों में रेल यात्री आवश्कताओं को ध्यान में रख भारतीय रेल के प्रमुख स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में लालकुंआ जंक्शन को 30 करोड़, काठगोदाम जंक्शन को 27 करोड़ से संवारा जाएगा।

14 नवम्बर से जौलजीवी मेला होगा

जौलजीवी। ऐतिहासिक व्यापारिक मेला 14 नवम्बर से शुरू होगा। इसके लिये प्रशासनिक और स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू होने लगी हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर लगने वाले जौलजीवी मेंले को लेकर जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने धारचूला में बैठक की। अधिकारियों की उपस्थित में स्थानीय लोगों ने भी अपने सुझाव रखे और बताया गया कि इस वर्ष दिव्यांगजनों को न्यूनतम दर पर दुकानें आवंटित की जाएंगी। सुरक्षा की दृष्टि से मेला स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगें, बैठक में पार्किंग व्यवस्था, विद्युत, चिकित्सा, शौचालय, स्वच्छता को लेकर डीएम ने आवश्यक निर्देश दिये। यह भी तय किया गया कि मेला स्थल पर एक रीडिंग क्लब बनाया जाएगा जिसमें तमाम पुस्तक और समाचार पत्र रहेंगे। खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने का निर्णय भी लिया गया।

परिक्रमा

राज्य स्तरीय शूटिंग में 'सराफ' छाया

खटीमा। सराफ पब्लिक स्कूल राज्य स्तरीय शूटिंग में छाया रहा। इस विद्यालय की छात्रा अक्षिता ने यूथ और जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान पाकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

उत्तराखण्ड ओलम्पिक गेम्स की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय की 9वीं की छात्रा अक्षिता ने प्रतिभाग कर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यालय की इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार सहित समस्त स्टाफ ने छात्रा को बधाई दी। छात्रा को सम्मानित करते हुए प्रधानाचार्य ने उसे आगामी प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इस उपलब्धि से अवगत कराते हुए कहा कि हमें शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद जैसी गतिविधियों को भी महत्व देना चाहिये, जिससे हमारा सर्वांगीण विकास हो सके।

बताते चलें कि जनपद उधमसिंह नगर के खटीमा क्षेत्र का सराफ पब्लिक स्कूल अपनी शिक्षा, परीक्षाफल, अनुशासन व अन्य गतिविध यों के लिये अग्रणीय शिक्षण संस्थानों में गिना जाता है।

प्रदेश के संसाधनों पर कब्जा : ऐरी

पिथौरागढ़/देहरादून। उक्रांद के संरक्षक और पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि प्रदेश में मूल निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था व सशक्त भू कानून का होना बहुत जरूरी है। यहाँ स्थाई प्रमाण पत्र के कोई नियम कायदे निधारित नहोने से प्रदेश की नौकरी, व्यापार, संसाधनों पर बाहरी लोगों का कब्जा हो रहा है। बाहरी प्रदेश के लोगों ने किस प्रयोजन से भूमि खरीदी है किसी को जानकारी नहीं है। सरकार को मूल निवास व भू कानून लागू करने को जगाने के लिये ही उक्रांद ने देहरादून में रैली की।

श्री ऐरी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि यूपी में निवास करने पर लोगों को मूल निवास दिया जाता था। राज्य गठन के बाद स्थाई निवास दिया जाने लगा। स्थाई प्रमाण पत्र देकर यहाँ के मूल निवासियों की अनदेखी करने का काम किया जा रहा है। हजारों लोगों ने फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर अपना कब्जा जमाया हुआ है।

कालाढूंगी में होगी कॉर्बेट हैरिटेज सफारी

हल्द्वानी/कालाढूंगी। कार्बेट के गाँव छोटी हल्द्वानी कालाढूंगी में दिसम्बर माह से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिये कॉर्बेट हैरिटेज सफारी उपलब्ध होगी। रामनगर वन प्रभाग के अन्तर्गत कालाढूंगी से पवलगढ़ तक वन-वे गेट से पर्यटक घने जंगल सफारी करेंगे। इसके लिए वन विभाग द्वारा 26 किमी ट्रैक तैयार किया जा रहा है। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र बिष्ट ने बताया है कि 26 किमी का ट्रैक ब्रह्म बूबू मन्दिर रोड स्थित पर्यटन गेट से शुरू होगा। जंगल सफारी के दौरान पर्यटक बौर नदी, मूसाबंगर के घने जंगल में हाथी, बाघ, हिरन, गुलदार सहित अन्य वन्य जीवों के दर्शन कर सकेंगे। विधायक बंशीधर भगत का कहना है कि कार्बेट पार्क के बफर जोन में कालाढूंगी से जंगल सफारी के लिये गेट खोलने का उनका प्रयास सफल हुआ। इसके पीछे उनका उद्देश्य सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कालाढूंगी के छोटी हल्द्वानी में जिम कार्बेट से जुड़ी ऐतिहासिक जगहों तक अधिक से अधिक पर्यटकों को पहुँचाना एवं पर्यटन विकास करना था।

छावनी अध्यक्ष 3माह में सुनेंगे समस्याएं

रानीखेत। रानीखेत विकास समित का एक शिष्टमण्डल छावनी परिषद के अध्यक्ष ब्रिगेडियर संजय कुमार यादव से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर मिला। जिस पर अध्यक्ष यादव ने अपने स्तर से समस्याओं के समाधान करने के अलावा कहा कि हर तीन माह में जनता दरबार लगाकर समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

बिन्दुखत्ता राजस्व गाँव की उम्मीद

हल्द्वानी। वन अधिकार समिति ने बिन्दुखत्ता को राजस्व गाँव बनाने की अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर देहरादून में मुख्य सचिव से मुलाकात की। मुख्य सचिव ने राजस्व सचिव को इस पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये हैं, जिसके बाद उम्मीद जगी है कि बिन्दुखत्ता राजस्व गाँव होगा। साथ ही इस क्षेत्र के विकास को लेकर देखे गये सपने पूरे होंगे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मकाम कैलास में हुआ रं कल्याण संस्था का वार्षिक अधिवेशन

सीम का संदेश कि चौंदास घाटी से होगी कैलास यात्रा, विधायक ने किया उद्घाटन

धारचूला। दूरस्थ गाँव मकान कैलास में रं कल्याण संस्था का दो दिनी अधिवेशन सम्पन्न हुआ। इसका उद्घाटन विधायक हरीश धामी, जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी और संस्था के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया।

अधिवेशन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आना था लेकिन वह व्यस्तात के चलते नहीं आ सके। उन्होंने अपना संदेश रिकार्ड कर भेजा। जिसमें उन्होंने ग्राम जोमतीज, सिर्खा, दांतू और पांगू में भूस्खन की रोकथाम के लिये सुरक्षा कार्य किये जाने, राजकीय उद्यान भटका फार्म को उन्नत नर्सरी के रूप में विकसित करने, राजकीय इण्टर काले माकम कैलास के भवनों की मरम्मत, चाहरदीवारी निर्माण किये जाने की घोषणा की।

मोबाइल सन्देश प्रसारण न होने की स्थिति में सीएम ने संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी अरविन्द सिंह ह्याकी को क्षेत्र के विकास के लिये कई गई घोषाएं लिखवाई इसमें सबसे महत्वपूर्ण कुमाऊँ मण्डल विकास निगम की ओर से संचालित आदि कैलास यात्रा को चौंदास घाटी के नारायण आश्रम होते हुए कराया जाना प्रमुख है। मुख्यमंत्री ने अपने सन्देश में कहा कि धारूचला नगर में जाम की समस्या से निपटने के लिये पशुपालन विभाग की भूमि पर मल्टी स्टोरी पार्किंग का निर्माण होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दुग्तू के चिकित्सालय एवं आवासीय भवन का निर्माण कराने, दारमा एवं व्यास घाटी को पॉवर ग्रिड से जोड़ने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चौंदास, दारमा, व्यास घाटी के अवशेष ग्रामों को वाइब्रेट विलेज में शामिल करने के लिए भारत सरकार को संस्तुति भेजी जाएगी। तीनों घाटियों में धार्मिक एवं साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिये परम्परागत पैदल मार्गों को पुनः विकसित कराया जाएगा।

विधायक हरीश धामी ने संस्था के वार्षिक अधिवेशन ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिये सरकार और जिला प्रशासन से मिलकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने संस्था के विभिन्न कार्यों के लिये 30 लाख रुपये की धनराशि विधायक निधि से देने की घोषणा की। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने कहा कि चौंदास और दारमा घाटी के साथ ही अन्य दूरस्थ क्षेत्रों का निरन्तर विकास किया जाएगा। ग्रामीणों और जन प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को भी उनके सम्मुख रखा। इस पर डीएम ने कहा कि सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर उतारा जाएगा। अधिवेशन में उप जिलाधिकारी मंजीत सिंह, रं कल्याण समिति के संरक्षक नृप सिंह नपलच्याल, बिशन सिंह बोनाल, धीरेन्द्र सिंह दताल, अनुज सत्याल आदि उपस्थित थे।

नई कार्यकारिणी गठित, अरविन्द ह्यांकी अध्यक्ष, नरसिंह नपलच्याल महासचिव

धारचूला। मकान कैलास इण्टर कालेज में आयोजित रं कल्याण संस्था के रं महोत्सव व अधिवेशन के समापन से पूर्व नई कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें अरविन्द सिंह ह्यांकी अध्यक्ष और नर सिंह नपलच्याल महासचिव चुने गये।

दो दिवसीय अधिवेशन के दौरान क्षेत्र की समस्याओं पर व्यापक चर्चा की गई। ग्रामीणों ने चौदास घाटी के कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, सड़क, संचार की दिक्कत, व्यास घाटी में सुरक्षा बलों द्वारा बिना अनुमति के ग्रामीणों की भूमि पर अतिक्रमण व अन्य सस्तयाओं को गिनाया। रालम व पातों के अध्यक्ष नीरज दरियाल ने गाँव को सड़क से जोड़ने की मांग शासन स्तर तक पहुँचाने को कहा। बैठक में बाहरी लोगों के क्षेत्र में प्रवेश और अशान्ति को देखते हुए नोटिफाइट लाइन जौलजीवी बनाने की मांग की गई। आयोजन को लेकर उत्साहित क्षेत्र के युवाओं से आगे आने को कहा गया।

रं बोली, रं संस्कृति संरक्षण पर व्यापक चर्चा इसमें हुई। संस्था के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व मुख्य सचिव नृप सिंह नपलच्याल ने बताया कि रं महोत्सव, वार्षिक अधिवेशन और रं भाषा दिवस आदि कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य रं समाज, बोली और संस्कृति संरक्षण करते युवा वर्ग को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करना है। मंगल सिंह कुटियाल ने रं कल्याण संस्था को मजबूत करने के लिये सभी की अपनी आय का एक प्रतिशत संस्था को देने की अपील की। संस्था की दिल्ली, बरेली, देहरादून, हल्द्वानी, पिथौरागढ़, रालम, पातों, व्यासी शौका समाज और धारचूला शाखा के पदाधिकारियों ने शाखाओं के क्रियाकलापों की जानकारी दी।

मुख्य संरक्षक नृपसिंह नपलच्याल, संरक्षक बिशन सिंह बोनाल और आनन्द सिंह यर्सो की देखरेख में कार्यकारिणी के चुनाव हुए। इसमें उपाध्यक्ष नारायण सिंह दरियाल, कोषाध्यक्ष नयन सिंह कुटियाल, संयुक्त सचिव जीवन सिंह मर्छाल, संगठन सचिव अर्जुन सिंह नपलच्याल, सांस्कृतिक सचिव करण सिंह थापा, सम्पादक रमेश सिंह पतियाल, आडिटर प्रकाश गुंज्याल और जयप्रकाश नपलच्याल चुने गये। जीवन सीपाल, देवकृष्ण फकलियाल, भावना पतियाल, शकुन्तला पतियाल, कल्याण सिंह सोनाल सदस्य चुने गये। इन सभी को निर्णायक मण्डल द्वारा शपथ दिलाई गई।

हरि प्रदर्शनी.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

गिरफ्तार किया गया। थल कोर्ट शिविर में न्यायालय द्वारा उन्हें 2 वर्ष का कठोर कारावास का दण्ड दिया गया। 12 अक्टूबर1942 से 20 नवम्बर1942 तक अल्मोड़ा कारागार के बाद 4 अगस्त1943 तक बरेली कारागार तथा 26 जून1944 तक लखनऊ कारागार में रहने के बाद रिहा किया गया।

देश आजाद होने के उपरान्त हरि सिंह जंगपांगी समाज सेवा के लिये जुटे रहे और राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। ऐसे समाजसेवी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का 21 दिसम्बर 1949 को बीमारी के उपरान्त निधन हुआ था। हमेशा समाज हित में अपने को झौंकने वाले समाजसेवी हरि सिंह जंगपांगी ज्यू की याद में लगातार उनकी पीढ़ियां जुड़ी हुई हैं। यह उनके समाज और देश के प्रति समर्पण का दर्शाता है। साथ ही आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन भी है।

उक्रांद की तांडव रैली में बरसे

देहरादून। मूल निवासी और सशक्त भू कानून को लेकर उत्तराखण्ड में बन चुकी हवा के क्रम में यूकेडी ने बहुत समय बाद जबर्दस्त प्रदर्शन किया। उक्रांद की ताण्डव रैली में पधारे नेता सरकार पर जम कर बरसे। केन्द्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष पंकज व्यास ने कहा यदि सरकार ने जल्द अपना निर्णय नहीं सुनाया तो 24 नवम्बर को हल्द्वानी में में ताण्डव रैली होगी।

दल की देहरादून रैली नए पुराने कार्यकर्ताओं का सड़कों पर सैलाब दिखाई दिया। दल के संरक्षक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि भाजपा हो या कांग्रेस सरकार, सशक्त भू कानून की दिशा में दोनों पार्टियों ने कुछ नहीं किया। राज्य गठन से नौकरी एवं स्कूल व कालेज में दाखिले के लिए मूल निवास मांगे जाते थे लेकिन राज्य गठन के बाद मूल निवास की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया।

उत्तरकाशी में थम नहीं रहा विवाद

मस्जिद को लेकर सुलगे हुए हैं लोग

उत्तरकाशी। पहाड़ के इस शहर में करीब 53 साल पुरनी मस्जिद को लेकर लोग सुलगे हुए हैं और पिछले तीन महीने से आन्दोलन भी होने लगे हैं। दरअसल में एक समुदाय के धार्मिक संगठन द्वारा करीब 2 नाली भूमि पर बनी मस्जिद को अवैध बताते हुए मोर्चा खोल दिया है। विगत 6 दिसतम्बर को एक मीट की दुकान के खिलाफ जुलूस प्रदर्शन के समय ही यह मसला उघड़ने लगा था।

बताया जाता है कि शहर के बाड़ाहाट क्षेत्र में मस्जिद का निर्माण 1969 में हुआ था। इसके लिये करीब 4 नाली और 15 मुट्ठी भूमि एक समुदाय के व्यक्ति ने दूसरे समुदाय के सात लोगों को बेची थी बाद में वर्ष 2005 में इस मस्जिद की भूमि का दाखिल खारिज किया गया। इन सबके बाद भूमि सम्बन्धी में सूचना का अधिकार में किसी ने सूचना मांगी और शहर में यह यह होने लगा है। पहाड़ में ऐसी स्थितियां क्यों होने लगी हैं इसके मूल पर जाना होगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हरि सिंह जंगपांगी स्मृति समारोह की शुभकामनाओं के साथ-

नरेन्द्र सिंह जंगपांगी

लक्ष्मी विहार, मल्ली बमौरी
दोनहरिया हल्द्वानी

डॉ.मगंल सिंह मर्तोलिया

'खुशहाल हाउस'
लक्ष्मी विहार, मल्ली बमौरी
हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

Hayat Paradise

Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट
सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)